पञ्चमः पाठः देशभक्तः चंद्रशेखरः

अभ्यास

(अ) तथ्यात्मक

1. निम्नलिखित का संदर्भ सहित हिंदी में अनुवाद कीजिए–

(क) स्थानम्-वाराणसी ..... आजादः (स्थिरीभूय)।

[**पीठे** = कुर्सी पर, **दुर्धर्षः** = उद्दंड, **पारसीकः** = पारसी, **आरक्षकाः** = सिपाही, **सम्मुखम्** = सामने, **आनयन्ति** = ले आते हैं, **अभियोगः** = मुकदमा, **पुष्टाङ्ग** = हृष्ट पुष्ट शरीर वाला, **षोडषवर्षीय** = सोलह वर्ष का, **प्रस्तरखण्डेन** = पत्थर के टुकड़े से, **आहतः** = घायल हो गया, **स्थिरीभूयः** = दृढ़ होकर।]

संदर्भ– प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'हिंदी' के 'संस्कृतखंड' के 'देशभक्तः चंद्रशेखरः' नामक पाठ से उद्धृत है।

अनुवाद– (स्थान-वाराणसी न्यायालय, न्यायाधीश की कुर्सी पर एक उद्दंड पारसी बैठा हुआ है। सिपाही चंद्रशेखर को उसके सामने लाते हैं। मुकदमा प्रारंभ होता है। चंद्रशेखर हृष्ट पुष्ट शरीर वाले, गोरे रंग के, सोलह वर्ष के एक किशोर हैं।

सिपाही– श्रीमान जी! यह चन्द्रशेखर है। यह राजद्रोही है। पिछले दिन इसने ही असहयोग आंदोलनकारियों की सभा में एक सिपाही दुर्जय सिंह के मस्तक पर पत्थर के टुकड़े से प्रहार किया था। उससे दुर्जय सिंह घायल हो गया था।

न्यायाधीश– (उस बालक को आश्चर्य से देखते हुए) अरे बालक! तुम्हारा क्या नाम है?

चन्द्रशेखर– आजाद (दृढ़ता से)

(ख) ततः दृष्टिगौचरौ भवतः ..... स पञ्चदशकशाघातैः ताडितः।

[**दृष्टिगौचरौ भवतः** = दिखाई देते हैं, **कोपीन्त्रावशेष** = लँगोटीमात्र पहने हुए, **फलकेन दृढ़ बद्धः** = हथकड़ी में कसकर बाँधा गया, **कशाहस्तेन** = हाथ में कोड़ा लिए हुए, **कारावासाधिकारी** = जेलर, **आदेश समकालमेव** = आदेश पाते ही, **कशाघातः कर्तव्यः** = कोड़े मारना, **स्वाविनयस्य** = अपनी धृष्टता का।]

संदर्भ– पूर्ववत्

अनुवाद– (इसके पश्चात् लँगोटीमात्र पहने हुए हथकड़ी से मजबूत बँधे हुए चंन्द्रशेखर और हाथ में कोड़ा लिए चांडाल से अनुगमित जेल अधिकारी गंडासिंह दिखाई पड़ते हैं।)

गंडासिंह– (जल्लाद से) दुर्मुख! मेरा आदेश पाते ही कोड़े लगाना। (चंद्रशेखर) अरे धृष्ट युवक! अब तू अपनी धृष्टता का फल प्राप्त कर राजद्रोह। दुर्मुख! एक कोड़े का प्रहार करो! (दुर्मुख चन्द्रशेखर को कोड़े से पीटता है।)

चन्द्रशेखर– भारतमाता की जय हो।

गंडासिंह– दुर्मुख! दूसरा कोड़े का प्रहार करो (दुर्मुख पुनः कोड़ा मारता है।) पीटे गए चन्द्रशेखर बार-बार 'भारतमाता की जय हो' कहते हैं।

(इस प्रकार वे पन्द्रह कोड़ों से पीटे जाते हैं।)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

(क) चन्द्रशेखरः कः आसीत्?

उ०– चन्द्रशेखरः प्रसिद्धः क्रातिकारी देशभक्त च आसीत्।

(ख) चन्द्रशेखरः कथं बन्दीकृतः?

उ०– चन्द्रशेखरः आङ्ग्लशासकैः राजद्रोही घोषितः अतः बन्दीकृतः।

(ग) चन्द्रशेखरः स्वनाम किम् अकथयत्?

उ०– चन्द्रशेखरः स्वनाम् 'आजाद' इति अकथयत्।

(घ) न्यायाधीशः चन्द्रशेखरं किम् अदण्डयत्?

उ०– न्यायाधीशः चन्द्रशेखरं पञ्चदश कशाधातान् अदण्डयत्।

(ङ) ''शत्रूणां कृते मदीयाः इमे रक्तबिन्दवः अग्निस्फुलिङ्गाः भविष्यन्ति'', इदं कस्य कथनम् अस्ति?

उ०– इदं चन्द्रशेखरस्य कथनम् अस्ति।

(च) चन्द्रशेखरः स्वपितुः नाम किम् अकथयत्?

उ०– चन्द्रशेखरः स्वपितुः नाम 'स्वतन्त्र' इति अकथयत्।

(छ) दुर्मुखः कः आसीत्?

उ०– दुर्मखः चाण्डालः आसीत्।

(ज) आरक्षकस्य किं नाम आसीत्?

उ०– आरक्षकस्य नाम दुर्जयसिंहः आसीत्।

(झ) केन कारणेन चन्द्रशेखरः न्यायालये आनीतः?

उ०– आरक्षकस्य दुर्जयसिंहस्य मस्तके प्रस्वरखण्डेन प्रहारेण कारणेन चन्द्रशेखरः न्यायालये आनीतः।

(ञ) राष्ट्रभक्तः कः अस्ति?

उ०– राष्ट्रभक्तः चन्द्रशेखरः अस्ति।

(ब) अनुवादात्मक

निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

1. प्रत्येक देशवासी को राष्ट्र-प्रेम होना चाहिए।

अनुवाद– प्रत्येकः देशवासी राष्ट्रप्रेमः भवेत्।

2. सबको अपना कर्तव्य करना चाहिए।

अनुवाद– सर्वेणां स्वकर्तव्यं कुर्यात्।

3. **न्यायाधीश ने चन्द्रशेखर को पन्द्रह कोड़ों का दण्ड दिया।**
   अनुवाद– न्यायाधीश: चन्द्रशेखरं पञ्चदश: काशाघातान् दण्डयामि।
4. **सभी को अपने देश के प्रति ईमानदार होना चाहिए।**
   अनुवाद– सर्वेणां स्वदेशे प्रति: ईमानदार: भवेत्।
5. **देशभक्त निर्भीक होते हैं।**
   अनुवाद– देशभक्ता: निर्भीक: अस्ति।
6. **एकता में बड़ी शक्ति होती है।**
   अनुवाद– एकते बहु शक्ति: भवति् ।
7. **भारतमाता की जय हो।**
   अनुवाद– जयतु भारतम्।
8. **हम सभी भारतमाता के अनन्य भक्त हैं।**
   अनुवाद– वयं सर्वेणां भारतमातस्य अनन्य: भक्त: अस्ति।

(स) व्याकरणात्मक

1. **निम्नलिखित शब्द-रूपों में विभक्ति एवं वचन लिखिए–**

शब्द-रूप	**विभक्ति**	**वचन**
रामात्	पञ्चमी	एकवचन
रामेभ्य:	चतुर्थी/पञ्चमी	बहुवचन
रामाणाम्	षष्ठी	बहुवचन
रामाभ्याम्	तृतीया	द्विवचन
रामौ	प्रथमा	द्विवचन

2. **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–**

शब्द	**विलोम**
दुर्धर्ष:	विनम्र:
सम्मुखं	विम्मुखं
किशोर:	वृद्ध:
राजद्रोही	देशभक्त:
दुर्विनीत	विनीत:

3. **निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए–**

संधि शब्द	**संधि-विच्छेद**
अनेनैव	अनेन + एव्
आरक्षकस्य	आ + रक्षकस्य
कुत्रास्ति	कुत्र + अस्ति
कशाघात	कश + आघात
दुर्विनीत	दु: + विनीत

(द) पाठ्येत्तर सक्रियता

विद्यार्थी स्वयं करें।